दैनिक

महाराष्ट्र समाचार

RNI NO. MAHHIN/2013/53656

संपादक : अकबर खान

राष्ट्रीय हिंदी समाचार पत्र

वर्ष – 08 | अंक 174 | मुंबई | रविवार, ०३ जुल | E-mail. dailymaharashtrasamachar@gmail.com | मूल्य : ३/– रूपये | पृष्ठ ८

नुपुर शर्मा को सुप्रीम कोर्ट से मिली फटकार

कहा आपकी वजह से जल रहा देश,माफी मांगें

मुंबई, निलंबित भाजपा नेता नुपुर शर्मा को आज सुप्रीम कोर्ट से कड़ी फटकार पड़ी है। कोर्ट ने कहा कि निलंबित भाजपा नेता की बदजुबानी के चलते ही पूरे देश में आग लग गई और इसके कारण सुरक्षा को भी नुकसान पहुंचा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नुपुर को पैगंबर मोहम्मद पर की गई अपनी टिप्पणी के लिए पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए। बता दें कि नुपुर ने अपनी विवादास्पद टिप्पणी को लेकर कई राज्यों में उनके खिलाफ दर्ज सभी प्राथमिकी को जांच के लिए दिल्ली स्थानांतरित करने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। नुपुर का कहना है कि उन्हें लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं इसलिए वह अन्य राज्यों में पेशी के लिए नहीं जा सकती हैं। इसी सुनवाई के दौरान कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत ने नुपुर को लताड़ लगाई है।

कोर्ट ने कही ये बातें सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि उदयपुर में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना के लिए भी उनके खिलाफ नाराजगी ही जिम्मेदार है, जहां एक दर्जी की हत्या कर दी गई थी। कोर्ट ने कहा– टीवी चैनल और नुपुर शर्मा का क्या काम है, जो मामला विचाराधीन है, उस पर चर्चा करें? सुप्रीम कोर्ट ने कहा– उन्हें टीवी पर जाकर देश से माफी मांगनी चाहिए थी, जिसके लिए उन्होंने काफी देर कर दी है। नुपुर शर्मा को उनके अहंकार के लिए फटकार लगाते हुए जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि वह एक बड़ी पार्टी की प्रवक्ता थीं, इसके कारण पावर उनके सिर पर चढ़ गई थी।

कोर्ट ने अर्जी खारिज की

सुप्रीम कोर्ट ने इसी के साथ नुपुर की उस याचिका को भी खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ कई राज्यों में दर्ज सभी केसों को दिल्ली स्थानांतरित करने की अपील की थी। कोर्ट ने नुपुर के वकील को इस मामले में संबंधित हाईकोर्ट के पास जाने का सुझाव दिया है। इसके बाद नुपुर ने शीर्ष न्यायालय से याचिका वापस ले ली है।

इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स फॉर अफर्मेटिव एक्शन ने सिंगल डेब्ट के साथ साझेदारी की

मुंबई / अकबर खान

मुंबई ,इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स फॉर अफर्मेटिव एक्शन () व सिंगल डेब्ट के साझेदार संजय दुबे और हरीश परमार ने मुंबई प्रेस क्लब में पत्रकारों से बात करते हुवे कहा की विभिन्न बैंकों से लिए गए लोन के चुकाने के लिए आर्थिक रूप से संघर्ष कर रहे लोगों की मदत के लिए सिंगल डेब्ट व् इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स फॉर अफर्मेटिव एक्शन () मुंबई में सभी कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए तैयार है बता दे की इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स फॉर अफर्मेटिव एक्शन () देश की नामी ग्रामी चैंबर्स में से एक है। का एक उद्देश्य है की सहिता परधान करना जब की देखा गया है की कई बार बैंकों के नाम पर रिकवरी एजेंट लोन लेने वालों को परेशान करते हैं और धमकाते हैं। ऐसी स्थिति तब आती है जब लोन लेने वाले किसी वजह से वक्त पर किस्त नहीं भर पाते। ऐसी घटनाएं भी सामने आती हैं जब बैंक के रिकवरी एजेंट लोन लेने वाले की गाड़ी या कोई सामान भी उठा लेते हैं। बिना कोर्ट के आदेश के या फिर ज़बरदस्ती करके मजबूर करते है

रिकवरी एजेंट जब कानून अपने हाथ में लेकर ग्राहकों को धमकाते रहते है ऐसी स्थिति में आपके सामने क्या–क्या विकल्प होते हैं। ऐसे में सिंगल डेब्ट ऐसे मामले को अपने वकीलों के साथ कानूनी लड़ाई लड़ता है बैंक, फाइनैंस कंपनी या लोन देनदार समय पर किस्त न मिलने पर ग्राहक या उसके रिश्तेदार को धमकाने लगते हैं। उनके पास रिकवरी एजेंट के फोन आते हैं, मानसिक प्रताड़ना या धमकी से गुजरना पड़ता है। ऐसी स्थिति में ग्राहक यानी लोन लेनदार सीधे ://. सिंगल डेब्ट की मदद से शिकायत करसकता है शिकायत कर सकता है, जिसके बाद रिकवरी एजेंट के खिलाफ कानूनी कार्रवाई हो सकती है।

जब बैंक आदि से लोन लिया जाता है तो बैंक और ग्राहक के बीच आर्बिट्रेशन ऐक्ट १९९६ के तहत भी करार होता है किसी विवाद की स्थिति में मामला आर्बिट्रेटर के सामने जाएगा। ऐसी स्थिति में अगर किसी की किस्त का पेमेंट नहीं होता है तो बैंक या लोन देनदार संस्थान को अधिकार है कि वह आर्बिट्रेशन में मामला ले जाए और कॉम्पिटेंट अथॉरिटी के आदेश के तहत कानूनी कार्रवाई करे। आदेश के मुताबिक वह पुलिस की मदद से कार आदि उठा सकते हैं। साथ ही भुगतान न होने की स्थिति में बैंक व वित्तीय संस्थान रिकवरी के लिए सिविल कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकते हैं। संजय दुबे और हरीश परमार ने

ने बताया कि बैंक और रिकवरी एजेंट के लिए आरबीआई ने गाइडलाइंस भी जारी कर रखी हैं। इसके तहत अगर कोई भी बैंक किसी रिकवरी एजेंट की नियुक्ति करता है तो उसके पीछे मकसद यह होता है कि वह ग्राहक को किस्त देने के लिए मनाए। लेकिन किसी ग्राहक को फोन पर या सामने आकर धमकी नहीं दे सकते। इसके अलावा वह एजेंट ग्राहक के रिश्तेदार या दोस्त या पड़ोसी को भी फोन नहीं कर सकता। अगर वह धमकाए तो शिकायत संबंधित थाने में या फिर आरबीआई में की जा सकती है

महाराष्ट्र का महाफैसला : ढाई साल में दूसरी बार भाजपा राज तय, पार्टी आज ही पेश कर सकती है दावा

मुंबई शिवसेना विधायकों की बगावत से शुरू महाराष्ट्र के सियासी नाटक का बुधवार रात पटाक्षेप हो गया। साढ़े ३ घंटे सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि ३० जून का बहुमत परीक्षण होगा। कोर्ट ने फ्लोर टेस्ट कराने के राज्यपाल के निर्देश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। कुछ देर बाद उद्धव ठाकरे ने सोशल मीडिया पर लाइव आकर अपनों से मिली पीड़ा जताई और सीएम पद और विधान परिषद सदस्यता छोड़ने का ऐलान कर दिया। यह शिवसेना के इतिहास की सबसे बड़ी बगावत

एकनाथ शिंदे की अगुआई में हुई जिस बगावत ने उद्धव ठाकरे को इस्तीफा देने पर मजबूर कर दिया, वह पार्टी के ५६ साल के इतिहास की चौथी लेकिन सबसे बड़ी बगावत है। इससे पहले की तीनों बगावत शिवसेना संस्थापक बाल ठाकरे के सामने हुई थीं।१९९१ में छगन भुजबल ने शिवसेना के १८ विधायकों के साथ पार्टी छोड़ी। १२ उसी दिन पार्टी में लौट आए।

२००५ में नारायण राणे कांग्रेस में चले गए। बाद में राणे भाजपा में शामिल हुए और अभी केंद्रीय मंत्री हैं।

२००६ में राज ठाकरे ने शविसेना छोड़ मनसे बनाई। २००९ में महाराष्ट्र विधानसभा की १३ सीटें जीतीं।

२०२२ में ठाणे से ४ बार के विधायक शिंदे की अगुवाई में बगावत के बाद ठाकरे को इस्तीफा देना पड़ा।

भाजपा आज पेश कर सकती है सरकार का दावा

उद्धव के इस्तीफे के बाद मुंबई के होटल में भाजपा और निर्दलीय विधायकों के साथ मौजूद फडणवीस और प्रदेश भाजपा प्रमुख चंद्रकांत पाटिल ने एक–दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी मनाई। गुरुवार को भाजपा फडणवीस के नेतृत्व में सबसे बड़ी पार्टी (१०६) होने के चलते सरकार बनाने का दावा पेश कर सकती है।इससे पहले भाजपा और शिंदे गुट के ३९ शिवसेना और ११ निर्दलीय विधायकों की बैठक भी हो सकती है। बहुमत के लिए १४४ विधायक चाहिए। भाजपा को १५६ विधायकों का समर्थन है। फडणवीस १ जुलाई को शपथ ले सकते हैं।तब फंसा था पेंच, फडणवीस ने अब हिसाब बराबर किया

भाजपा–शिवसेना ने २०१९ में साथ चुनाव लड़ा। पूर्ण बहुमत मिला, पर सीएम पर पेंच फंसा। शिवसेना ने ढाई साल के लिए सीएम पद मांगा। बात नहीं बनी। १२ नवंबर को राष्ट्रपति शासन लगा, जो २३ को रातों–रात हटाया। फडणवीस ने के अजित पवार संग सरकार बनाई। तीसरे ही दिन इस्तीफा। अब भाजपा ने हिसाब बराबर किया। विश्वास परीक्षण की नौबत आने पर व्हिप का पेंच कायम

बहुमत परीक्षण में व्हिप का पेंच फंसेगा। शिंदे असली शिवसेना का दावा कर रहे हैं। डिप्टी स्पीकर ने उसे खारिज किया है। उद्धव की ओर से अयोग्यता नोटिस पर ११ जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई है।औरंगाबाद, उस्मानाबाद जिलों के नाम बदलने को मंजूरी

बुधवार दोपहर उद्धव के नेतृत्व में हुई महाराष्ट्र कैबिनेट बैठक में औरंगाबाद जिले का नाम संभाजीनगर और उस्मानाबाद जिले का धाराशिव करने को मंजूरी दी गई। यह शिवसेना की पुरानी मांग थी।

नौ दिन की बगावत में फ्लोर टेस्ट से पहले मैदान छोड़ा

२१ जून की रात एकनाथ शिंदे की अगुवाई में शिवसेना विधायक पहले गुजरात के सूरत, फिर असम में गुवाहाटी पहुंचे। बागी गुट में ३९ शिवसेना के, ११ निर्दलीय विधायक जुड़े। उद्धव की अयोग्यता की धमकी और भावनात्मक संदेश काम नहीं आया। मातोश्री की किंगमेकर की परंपरा तोड़ सीएम बने उद्धव को नौ दिन की बगावत के चलते ९४६ दिन में पद छोड़ना पड़ा।

मध्य रेल द्वारा २०२२–२३ में की पहली तिमाही में २१.६२ मिलियन टन की माल ढुलाई, इसी अवधि की पिछले वर्ष की तुलना में १६.६१% की वृद्धि

मुंबई मध्य रेल ने माल ढुलाई में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जारी रखते हुए जून २०२२ के महीने में ७.१९ मिलियन टन माल लदान दर्ज किया है जो किसी भी वर्ष के जून में अब तक का सबसे अच्छा लदान है। महीने के दौरान माल लदान में जून २०२१ में दर्ज ५.९७ मिलियन टन की माल ढुलाई की तुलना में २०.४४% की वृद्धि दिखाई गई, जो कि किसी भी वर्ष जून में अब तक की सबसे अच्छा लदान था। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के दौरान यानी अप्रैल से जून २०२२ तक मध्य रेल ने अप्रैल से जून २०२१ के दौरान दर्ज १८.५४ मिलियन टन की तुलना में २१.६२ मिलियन टन माल लदान दर्ज किया, जिसमें १६.६१% की वृद्धि हुई। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के दौरान माल ढुलाई किसी भी वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में अब तक की सबसे अच्छी माल ढुलाई है।

मुंबई में ईद उल अजहा बकरा ईद १० जुलाई रविवार को मनाई जाएगी

मुंबई, मरकज़ी रुयते हिलाल कमेटी मस्जिद–ए–जामा मुंबई ने आज मह–ए–जुल–हज १४४३ का चांद दिखने का एलन किया है १० जुलाई रविवार को बकरी ईद मुंबई में मनाई जाएगी

सलमान को धमकी वाला लेटर खुद लॉरेंस ने लिखा गिरफ्तार शूटर सौरभ महाकाल का दावा– यह चिट्ठी गोल्डी बराड़ ने सलीम खान को थमाई

मुंबई

सलीम खान मॉर्निंग वॉक पर थे, तभी कोई अनजान शख्स उन्हें यह लेटर थमाकर गया। इसमें सिर्फ दो लाइन का संदेश था। लेटर के आखिर में लिखे .. .. को गोल्डी बरार और लॉरेंस बिश्नोई का शॉर्ट फॉर्म माना जा रहा है।

बॉलीवुड सुपर स्टार सलमान खान को धमकी भरा खत मिलने के मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच ने बड़ा खुलासा किया है। दरअसल, मुंबई क्राइम ब्रांच लॉरेंस के करीबी सौरभ महाकाल से पूछताछ करने पुणे पहुंची थी। पूछताछ में उसने बताया कि सलमान खान को यह चिट्ठी गैंगस्टर लॉरेंस की ही तरफ से भेजी गई थी। मामले में खुलासा होने के बाद पुलिस की ६ टीमें देश के अलग–अलग हिस्सों में निकल गई हैं।

सम्पादकीय

भारतीय लोकतंत्र की मजबूती

भारतीय लोकतंत्र की मजबूती का सबूत ही कहा जाएगा कि घरेलू राजनीति में कई मसलों पर एक-दूसरे का तीव्र विरोध कर रहे तमाम दल अफगानिस्तान के सवाल पर सरकार के सुर में सुर मिलाए नजर आए।

अफगानिस्तान के विषम हालात पर केंद्र सरकार की ओर से गुरुवार को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक अपने उद्देश्यों में सफल हुई कही जा सकती है। तालिबान के काबुल पर कब्जा करने के बाद से ही वहां से विचलित करने वाली तस्वीरें, वीडियो और खबरें आ रही हैं। ऐसे में आम लोगों के बीच ही नहीं तमाम राजनीतिक दलों के मन में भी यह सवाल उठना लाजिमी था कि आखिर हमारी सरकार इस पूरे घटनाक्रम को किस रूप में देख रही है। अफगानिस्तान के साथ न केवल हमारा सदियों पुराना रिश्ता रहा है, बल्कि वहां हाल के वर्षों में हमने बड़े पैमाने पर निवेश भी किया है। इसके अलावा वहां पैदा हुई राजनीतिक अस्थिरता आम तौर पर पूरी दुनिया और खास तौर पर दक्षिण एशिया की शांति के लिए गंभीर चुनौती साबित हो सकती है।

सर्वदलीय बैठक में सरकार ने साझा चिंता के इन तमाम बिंदुओं को संबोधित किया और जहां तक संभव था अपनी स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश की। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने साफ कहा कि अफगानिस्तान में मौजूदा हालात अच्छे नहीं हैं, लेकिन फिलहाल भारत की पहली प्राथमिकता है वहां फंसे लोगों को सुरक्षित निकालना। तमाम मुश्किलों के बावजूद वह अपना यह अभियान जारी रखे हुए है। जहां तक अन्य पहलुओं की बात है तो भारत सरकार तमाम मित्र देशों से संपर्क में है, वहां शांति और व्यवस्था स्थापित करने के साथ ही वैकल्पिक सरकार गठन की कोशिशों पर भी बात हो रही है, लेकिन इस मामले में धैर्य और संयम बनाए रखना होगा। ऐसे मामले जल्दबाजी में तय नहीं होते।

विदेश मंत्री ने यह कहने में भी कोई संकोच नहीं किया कि तालिबान दोहा में किए गए अपने वादों पर कायम नहीं रहे। वहां तय हुआ था कि काबुल में अफगान समाज के हर तबके की नुमाइंदगी वाली सरकार के जरिए धार्मिक स्वतंत्रता और लोकतंत्र को सुनिश्चित किया जाएगा। फिर भी, उन्होंने यह साफ किया कि सरकार अफगानिस्तान में हरेक स्टेक होल्डर से संपर्क बनाने और संवाद प्रक्रिया शुरू करने की कोशिश कर रही है। लेकिन जहां तक रुख तय करने की बात है तो फिलहाल तो वेट एंड वॉच की पॉलिसी ही सबसे उपयुक्त है। इसे भारतीय लोकतंत्र की मजबूती का सबूत ही कहा जाएगा कि घरेलू राजनीति में कई मसलों पर एक-दूसरे का तीव्र विरोध कर रहे तमाम दल अफगानिस्तान के सवाल पर सरकार के सुर में सुर मिलाए नजर आए। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने तमाम दलों की भावना को व्यक्त करते हुए कहा कि अफगानिस्तान में जो कुछ हो रहा है,

देरी पर दंड

भारत में विकास से जुड़ी परियोजनाओं को समय से शुरू और पूरा करने के लिए सरकारें जितना भी करें, कम है। इसी रोशनी में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में होने वाली अनावश्यक देरी की रोकथाम के लिए जो नीतिगत बदलाव किए गए हैं, उनका हर तरह से स्वागत होना चाहिए। पहले इन परियोजनाओं में किसी भी बदलाव के लिए सैद्धांतिक मंजूरी लेने में ही महीनों लग जाते थे, लेकिन अब यह तय कर दिया गया है कि सैद्धांतिक मंजूरी रिपोर्ट अधिकतम छह महीने में सौंपनी पड़ेगी। यही नहीं, सलाहकार, अथॉरिटी इंजीनियर, परियोजना निदेशक को सभी मौजूदा परियोजनाओं की रिपोर्ट ३१ अगस्त तक सौंपने को कहा गया है। सबसे खास बात है कि यह सिर्फ निर्देश नहीं है, अगर अब इंजीनियरों की ओर से देरी हुई, तो उन्हें दंड का सामना करना पड़ेगा। अभी तक जो ढर्रा रहा है, उसमें इंजीनियरों को सरकार की उदारता पर दृढ़ विश्वास है, वह मानकर चलते हैं कि सरकारें केवल बोलने का काम करती हैं, आदेश-निर्देश देकर भूल जाती हैं और काम तो अपनी गति से ही होता है। यही शर्मनाक सोच है, जिसकी वजह से भारत में शायद ही कोई ऐसी परियोजना होगी, जो समय पर पूरी हुई होगी।

अगर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने तय कर लिया है कि अब सड़क परियोजनाओं को हर हाल में समय पर पूरा करना है, तो इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता। कोई शक नहीं कि पिछले दो दशक में भारत में सड़कों की स्थिति में बहुत सुधार हुआ है। सड़क मार्ग से परिवहन सुगम हुआ है, लेकिन अभी बहुत कुछ करने की गुंजाइश है। क्या हम पांच साल की परियोजना को पांच साल से पहले पूरी नहीं कर सकते? क्या हमारे इंजीनियर मेहनती नहीं हैं? क्या उनमें समय पर काम को अंजाम देने की प्रतिभा नहीं है? ये बड़े बुनियादी सवाल हैं, जो सीधे विकास से जुड़े हैं। एनएचएआई ने २४ अगस्त को जो नीतिगत दस्तावेज जारी किया है, उसकी उपयोगिता बहुत लंबे समय से थी। परियोजनाओं के तमाम छोटे-बड़े कामों को टालने की प्रवृत्ति का अंत जरूरी है। हम बुनियादी ढांचा विकास में पहले ही बहुत पिछड़ गए हैं। भारत निवेश में अगर पिछड़ रहा है, तो खराब सड़केंभी जिम्मेदार हैं।

गौरतलब है, जारी दस्तावेज या सर्कुलर में यह भी साफ कर दिया गया है कि कई मामलों में जान-बूझकर मामूली मंजूरी से जुड़ी फाइलों को भी इधर से उधर किया जाता है, ताकि ठेकेदारों को जुर्माने से बचाया जा सके। ठेकेदारों को जुर्माने से बचाने या उनकी लगाम न कसने के पीछे क्या कारण हैं, इसे समझना कठिन नहीं है। जाहिर है, परियोजना की बढ़ी हुई लागत एनएचएआई और देश को चुकानी पड़ती है। सलाहकार-इंजीनियर की सांठगांठ से ठेकेदार बच जाते हैं। सांठगांठ करके कई तरह से देश को चूना लगाया जाता है। अब यह बहुत जरूरी है कि भारत में सड़क परियोजना में होने वाली देरी के लिए जिम्मेदारी तय हो और देरी करने वाले को दंडित किया जाए। ठीक इसी तरह अन्य तरह की विकास परियोजनाओं के लिए भी नीतिगत दस्तावेज जारी होने चाहिए और कोशिश करनी चाहिए कि तमाम परियोजनाएं समय पर पूरी हों। परियोजनाओं को अगर पूरी तेजी से चलाया जाएगा, तो उससे समग्र आर्थिक-सामाजिक विकास में भी तेजी आएगी और रोजगार में भी वृद्धि होगी। देश का तन, मन और धन बर्बाद नहीं होगा।

नरेन्द्र मोदी की काट की तलाश में विपक्षी

बीते सात वर्षों से विपक्षी दल न केवल एक नारे की तलाश में हैं, बल्कि एक ऐसे नेता की खोज भी कर रहे हैं, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनौती दे सके। लेकिन न तो उन्हें साझा आधार मिल रहा है, न ही एजेंडा। बीते सप्ताह कांग्रेस प्रमुख सोनिया गांधी, वर्चुअली ही सही, उन्हें इस उद्देश्य के साथ एक साथ लायीं कि २०२४ में भाजपा और मोदी को हटाने के लिए क्या किया जाना चाहिए। हालांकि विपक्षी पार्टियां संसद में सरकार को घेर रही हैं हैं, लेकिन बाहर उनमें बहुत कम समन्वय है। यह पहली बार है कि १९ पार्टियों के नेताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमीनी स्तर से आंदोलन खड़ा करने के लिए बातचीत की है।

उन्होंने आंदोलन की रूप-रेखा और उसके नेतृत्व के बारे में निर्देश देने से परहेज किया है। फिर भी, यह पहल २०२४ के चुनाव प्रचार की औपचारिक शुरूआत थी। इसके केंद्र में ममता बनर्जी, उद्धव ठाकरे, एमके स्टालिन, हेमंत

सोरेन, शरद पवार, तेजस्वी यादव, सीताराम येचुरी और जयंत चौधरी रहे। इसमें कांग्रेस, टीएमसी, एनसीपी, डीएमके, शिव सेना, जेएमएम, सीपीआइ, सीपीएम, नेशनल कांफ्रेंस, आरजेडी, एआइयूडीएफ, वीसीके, लोकतांत्रिक जनता दल, जेडीएस, आरएलडी, आरएसपी, केरल कांग्रेस (एम), पीडीपी और आइयूएमएल की भागीदारी रही।

आप, टीआरएस, एआइएडीएमके, बीएसपी और बीजेडी को नहीं आमंत्रित किया गया था तथा फिलहाल अखिलेश यादव ने भी इस बैठक से दूर रहने का निर्णय किया।

सोनिया गांधी ने बातचीत को दिशा दी और कांग्रेस ने यह स्पष्ट किया कि वह नेतृत्व की भूमिका नहीं चाह रही है। बैठक में सोनिया गांधी ने कहा कि वास्तविक लक्ष्य २०२४ का चुनाव है और हमें एक ऐसी सरकार बनाने के लिए कृतसंकल्प होना चाहिए, जो स्वतंत्रता आंदोलन के मूल्यों तथा हमारे संविधान के सिद्धांतों व प्रावधानों में आस्था रखती हो।

श्रीमती गांधी २००४ की अपनी रणनीति को फिर से लागू करना चाहती हैं, जब उन्होंने शरद पवार जैसे अपने सबसे खराब राजनीतिक शत्रुओं से समझौता किया था। उस समय भाजपा के लिए लिए कोई स्पष्ट खतरा या करिश्माई अटल बिहारी वाजपेयी का विकल्प नहीं दिख रहा था। लेकिन १३ वर्षों के वनवास के बाद सोनिया गांधी कांग्रेस को अग्रणी भूमिका में लाने में कामयाब रही थीं।उनके गठबंधन प्रयोग ने २००९ में और भी बड़ा फायदा दिया, जब उनकी पार्टी को २०० से अधिक सीटें मिलीं। साल २००४ में भाजपा हारी क्योंकि उसके कुछ शीर्षस्थ नेताओं के अपने बूते जीत जाने के घमंड के कारण क्षेत्रीय सहयोगियों ने साथ छोड़ दिया था। विपक्षी पार्टियां आज वैसी स्थिति में फिर हैं, जब शिव सेना और अकाली दल जैसे भाजपा के पुराने सहयोगी एनडीए छोड़ चुके हैं। विपक्ष पर नजर रखनेवालों के अनुसार, मोदी विरोधी बीते छह साल में उनकी गिरती लोकप्रियता को भी देख रहे हैं।

बीते सात वर्षों में मोदी ने भारत के राजनीतिक और सामाजिक परिवेश को बहुत हद तक बदल दिया है। यह तो समय ही बतायेगा कि क्या दिमागों की एकता लड़ाई के मैदान में दिल की एकता में भी बदलेगी। लेकिन एक कड़वे अतीत वाले एक बेहतर विपक्ष के साथ निश्चित रूप से भारत एक बदलाव के मुहाने पर है।

टाटा स्टील की नींव

औद्योगिक भारत की नींव जमशेदपुर से ही पड़ी थी,

लेकिन इससे भी बड़ी बात यह है कि इसके प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद रहे। इसे संयोग ही कहा जाएगा कि जेएन टाटा और विवेकानंद की मुलाकात ऐसे समय में हुई, जब दोनों एक इतिहास रचने अमेरिका जा रहे थे। जेएन टाटा भारत में इस्पात संयंत्र की स्थापना के उद्देश्य से जा रहे थे, जबकि विवेकानंद को शिकागो की संसद में आध्यात्मिक प्रवचन देना था। बात सितंबर १८९३ की बात है।

वे एक ही जहाज पर आमने-सामने बैठे थे, लेकिन एक-दूसरे को नहीं जानते थे।बातचीत के क्रम में स्वामी जी की बातों और विचारों से जमशेदजी टाटा बहुत प्रभावित हुए। जब जेएन टाटा ने स्वामी विवेकानंद को बताया कि वे भारत में इस्पात संयंत्र स्थापित करना चाहते हैं, तो उन्होंने मयूरभंज राज में कार्यरत भूगर्भशास्त्री पीएन (प्रमथनाथ) बोस से मिलने की सलाह दी।

यह भी बताया कि उसी क्षेत्र के आसपास लौह अयस्क, कोयला समेत अन्य खनिज का प्रचुर भंडार भी है।

जेएन टाटा के मन में एक इस्पात कारखाना के साथ ही एक ऐसा शहर बसाने की कल्पना भी थी, जहां सारी सुविधाएं उपलब्ध हों।

अपने पुत्र दोराबजी को अपनी मृत्यु के पूर्व पत्र लिखा था- पुत्र, इस्पात नगर ऐसा हो जहां पार्क हों, सड़क के दोनों ओर हरे-भरे लहराते पेड़ पौधे हों, शिक्षा की उचित व्यवस्था हो, खेलकूद के लिये लम्बे-चौड़े मैदान हों, सभी जातियों,

हिंदू, मुसलमान, ईसाई सहित सभी धर्मावलंबियों के लिए प्रार्थना स्थल हों, रहने के लिए सुविधा संपन्न घर हों, ताकि यहां कार्य करने वाले सभी जन इस कारखाने और शहर को अपना मानें-जानें। लगन,

निष्ठा, परिश्रम से कार्य होता रहा और आखिर वह पुनीत दिन २७ अगस्त, १९०७ को आया जब इस्पात कारखाने का रजिस्ट्रेशन हुआ। दो करोड़ की लागत से कार्य को मूर्त रुप दिया गया।

कॉमर्स के बाद सीए में करियर की अपार संभावनाएं

कॉ मर्स एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें बारहवीं कक्षा के बाद पढ़ाई के लगभग पंद्रह तरह के कोर्स मौजूद हैं। यदि विद्यार्थी कॉमर्स में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो वह कई तरह के विकल्प और कोर्स का चुनाव कर सकते हैं। कॉमर्स में सबसे पहले आप बीकॉम का चुनाव कर सकते हैं जो की तीन वर्ष में की जाने वाली ग्रेजुएशन की डिग्री है। बी.कॉम, कॉमर्स और संबंधित विषयों में ग्रेजुएशन की डिग्री है। पाठ्यक्रम को वित्त, लेखा, कराधान और प्रबंधन जैसी धाराओं में प्रबंधकीय कौशल की एक विस्तार पूर्वक पढ़ाई प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। कॉमर्स छात्रों के लिए बहुत सारे अवसर उपलब्ध हैं। ऐसे कई स्थान हैं जहां वे काम कर सकते हैं जैसे कि कॉपोर्रेट संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों, बैंकों आदि में, परन्तु अगर बी कॉम के साथ एक पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री जोड़ ली जाये तो नौकरी के अवसर न सिर्फ दोगुने बल्कि बहुत ज्यादा बेहतर भी हो जायेंगे। हम आपको ऐसे ही कुछ कोर्सेज के बारे में बताएँगे जो बी कॉम के बाद या फिर बी कॉम के साथ साथ भी किये जा सकते हैं।

चार्टर्ड अकाउंटेंट :

चार्टर्ड अकाउंटेंसी भारत में सबसे लोकप्रिय करियर विकल्पों में से एक रहा है। इस पेशे में प्रवेश करना ज्यादा मुश्किल नहीं है, लेकिन यदि आप सही तरीके से तयारी करते हैं, तो यह लोगों के बीच एक शानदार करियर पथ, वेतन और सम्मान प्रदान करता है। चार्टर्ड अकाउंटेंट के रूप में करियर न केवल चुनौतीपूर्ण है बल्कि फायदेमंद भी है। चार्टर्ड अकाउंटेंसी, फंड मैनेजमेंट, इन्वेस्टमेंट कंसल्टेंसी और फाइनेंस में अन्य फायदेमंद करियर के लिए पहला कदम है। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) सीए कोर्स आयोजित करता है।

चार्टर्ड एकाउंटेंट के पेशे में भविष्य :

कंपनी अधिनियम के तहत प्रत्येक पंजीकृत फर्म या संगठन में एक सीए नियुक्त होता है जो लेखा परीक्षा और आश्वासन, कर परामर्श, लेखा सेवाएं,

लेखाकार और वित्त आउटसोर्सिंग और वित्तीय रिपोर्टिंग का प्रबंधन करता है। वर्तमान में और साथ ही भविष्य में सीए के लिए नौकरी के और भी कई प्रकार के अवसर उपलब्ध हैं, जैसे की एक चार्टर्ड एकाउंटेंट अपनी खुद की फर्म खोल कर प्रैक्टिस कर सकता है (यह सबसे चुनौतीपूर्ण पहलुओं में से एक है जो एक नए योग्य चार्टर्ड एकाउंटेंट का सामना करता है), कराधान प्रबंधन में अपना करियर बना सकता है, प्रबंधन परामर्श सेवाएं, ऑडिटिंग, निवेश बैंकर के तौर पर भी अपने करियर को बना सकता है। चार्टर्ड अकाउंटेंसी भारत में एक बहुत ही मांग वाला करियर है मतलब की भारत में चार्टर्ड एकाउंटेंट की बहुत ज्यादा डिमांड है। बढ़ती मांग के दौर में , सीए के बेरोजगार होने की संभावना वास्तव में दुर्लभ या न के बराबर है। भारत में फलते-फूलते उद्योग और उद्यमिता परिदृश्य के साथ, अच्छे व्यवसाय को सुनिश्चित करने के लिए लेखांकन और वित्त की देखभाल के लिए अच्छे सीए की अधिक से अधिक मांग है।

सीए कोर्स में प्रवेश पाने के लिए पात्रता मानदंड :-

कोई भी उम्मीदवार जिसने किसी भी स्ट्रीम (विज्ञान, गणित और वाणिज्य सहित) में १० + २ पूरा कर लिया है, वह सीए पाठ्यक्रम के लिए पंजीकरण करने के लिए पात्र है। इस कोर्स के लिए पात्र होने के लिए उम्मीदवारों को १० + २ स्तर में न्यूनतम ६०% कुल प्राप्त करना होगा। कक्षा १२ की परीक्षा में बैठने या उत्तीर्ण करने के बाद बोर्ड ऑफ स्टडीज (बीओएस) के साथ पंजीकरण करें और फाउंडेशन रूट एंट्री के तहत दाखिला लें। चार महीने की अध्ययन अवधि पूरी करें (द्वि-वार्षिक पंजीकरण: ३० जून / ३१ दिसंबर तक) और नवंबर या मई में फाउंडेशन परीक्षा दें और सीए फाउंडेशन कोर्स क्वालिफाई करें। ग्रेजुएशन के बाद पंजीकरण करने वाले उम्मीदवारों को ८ महीने की अध्ययन अवधि के बाद पहले ग्रुप और दोनों ग्रुप परीक्षाओं के लिए उपस्थित होना होता है। उम्मीदवारों को परीक्षाओं से पहले ४ सप्ताह के आईसीआईटीएसएस प्रशिक्षण और ९ महीने के लेख प्रशिक्षण के लिए जाने की आवश्यकता होती है ।

बैंक ऑडिट में चार्टर्ड एकाउंटेंट का भविष्य

कोई भी एक फर्म जिसमें कम से कम एक चार्टर्ड एकाउंटेंट प्रोप्रिएटर हो या एक से अधिक चार्टर्ड एकाउंटेंट पार्टनर हो , किसी भी सरकारी या प्राइवेट बैंक का ऑडिट कार्य कर सकती है। किसी भी सरकारी या प्राइवेट बैंक जिसकी कुल जमा ५०० करोड़ या उससे अधिक है , को तीन साल में एक बार ऑडिट करना लाजमी है। ''नामांकन के लिए आवेदन'' बैंक की वेबसाइट के निविदा अनुभाग (टेंडर सेक्शन) से डाउनलोड किया जा सकता है। सभी आवेदनों को पैनल दस्तावेज में निर्धारित दिशानिदेशों के अनुरूप होना चाहिए। इसके आलावा चार्टर्ड एकाउंटेंट किसी भी बैंक में इंटरनल ऑडिटर के तौर पर नौकरी भी कर सकते हैं जिसके लिए बैंक आज कल एक बहुत अच्छा वेतन प्रदान करते हैं।

दैनिक महाराष्ट्र समचार मलिक मुद्रक प्रकाशांन व संपादक अकबर खान प्लोट ने 302, वी पी वर्डे रोड ए ,आर औटो वोर्क्स बिहाइंड गेटी सिनेमा बांद्रा वैस्ट मुंबई -400050 महाराष्ट्र, मोबाइल नंबर 9152073782. प्राचीता प्रिंट प्राइवेट लिमिटेड- गला नः13 मकबा बिल्डिंग नियर एस ब्रिज एन एम जोशी मर्ग भैकल्ला वैस्ट मुंबई- 400027. किसी भी सुरत में न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

राज्य कर्मचारियों,शिक्षकों-पेंशनरों का बढ़ा महंगाई भत्ता

देहरादून – सरकार ने उत्तराखंड के कर्मचारी, शिक्षकों और पेंशनरों को जन्माष्टमी पर्व से पहले बड़ा तोहफा दिया है। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कर्मचारी–शिक्षकों को सितंबर माह से महंगाई भत्ते का लाभ देने का ऐलान किया है। सरकार के इस फैसले से कर्मचारियों को वेतन में प्रतिमाह दो हजार से लेकर आठ हजार रुपये तक का फायदा होगा। राज्य में लगभग डेढ़ साल से डीए फ्रीज था, जिससे अब रोक हटा दी गई है। कर्मचारी–शिक्षकों व पेंशनरों का महंगाई भत्ता अभी १७ फीसदी था, जिसे सीएम धामी ने २८ फीसदी करने की घोषणा की है। जुलाई व अगस्त का डीए एरियर के रूप में जबकि सितंबर माह से वेतन के साथ दिया मिलेगा।

विपक्ष से छीना डीए का मुद्दा : सीएम धामी ने विपक्ष से महंगाई भत्ते का मुद्दा छीन लिया। सत्र के तीसरे दिन विपक्ष ने इस मुद्दे को उठाने की रणनीति बनाई थी, लेकिन शून्यकाल शुरू होते ही स्पीकर प्रेमचंद ने सदन में कहा कि नेता सदन व मुख्यमंत्री धामी कुछ कहना चाहते हैं। सीएम ने झटके में ही कर्मचारी व पेंशनरों को डीए का लाभ देने का ऐलान कर दिया। इस दौरान सत्तापक्ष की तरफ से मेजें थपथपाई गई, जबकि विपक्ष देखता रह गया।

संबंधित खबरें

मुख्य सचिव का वेतन २५ हजार रुपये बढ़ेगा

सरकार के ११ फीसदी डीए का लाभ देने से मुख्य सचिव व इस स्केल में कार्यरत नौकरशाहों के वेतन में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी होगी। मुख्य सचिव का वेतन लगभग २४,७५० बढ़ जाएगा, जबकि सचिव से लेकर प्रमुख सचिव के वेतन में १३ से १५ हजार की वृद्धि होगी। उत्तराखंड में लगभग ३६ हजार निगम कर्मचारियों को महंगाई भत्ते का लाभ देने पर बाद में फैसला लिया जाएगा। वित्त की सहमति के बाद सार्वजनिक उद्यम विभाग इसका आदेश करेगा। निगम अपने आर्थिक हालात के बाद फिर बोर्ड बैठकों में इस पर फैसला लेंगे। कुछ निगमों में अभी वर्ष २०१८ के बाद डीए का लाभ मिल ही नहीं पाया है।

है। इसी क्रम में राज्य सरकार ने भी कर्मचारी और पेंशनरों का डीए ११ फीसदी बढ़ाते हुए २८ फीसदी कर दिया है। इससे कर्मचारी–पेंशनरों को बड़ी राहत मिलेगी।

मध्य रेल पर आजादी का अमृत महोत्सव समारोह : बाइक रैली निकाली गई

मुंबई मध्य रेल, रेलवे सुरक्षा बल ने ०१ जुलाई, २०२२ से मध्य रेल के विभिन्न स्टेशनों पर आजादी का अमृत महोत्सव समारोह आयोजित किया जा रहा है। श्रीमती रेणु शर्मा, मंडल रेल प्रबंधक, पुणे मंडल ने दिनांक

१.७.२०२२ को १०.०० बजे पुणे और कोल्हापुर से 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' मनाते हुए बाइक रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया। श्री एस.एस. केडिया, मंडल रेल प्रबंधक, भुसावल मंडल ने भुसावल से मुंबई तक इसी तरह की बाइक रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में अपर मंडल रेल प्रबंधक एवं अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

श्रीमती ऋचा खरे, मंडल रेल प्रबंधक, नागपुर मंडल ने भी अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री जय सिंह और सीनियर डीएससी श्री आशुतोष पांडे के साथ मंडल कार्यालय नागपुर से एक बाइक रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया।

ये सभी बाइक रैलियां मुंबई में जुटेंगी और आजादी के दिन यानी १५.८.२०२२ को नई दिल्ली के लिए शुरू होंगी।

आज़ादी का अमृत महोत्सव समारोह में लगभग ६०,००० पौधे रोपने का अभियान, जल सेवा, स्वच्छता अभियान, एकता के लिए दौड़ और स्वतंत्रता सेनानियों का सम्मान शामिल है। यह प्रेस विज्ञप्ति जनसंपर्क विभाग, मध्य रेल, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस मुंबई द्वारा जारी की गई है।

श्री कडेश्वरी माता प्रसन्ना महिला विकास ट्रस्ट ने किया वृद्धाश्रम का भूमि पूजन

मुंबई /अकबर खान

मुंबई, मुंबई से सठे ठाणे येउर में श्री कदडेश्वरी माता प्रसन्ना महिला विकास ट्रस्ट ने किया वृद्धाश्रम का भूमि पूजन दगडू शंकर महाडिक प्रेरित की मदद से, मेरे माता–पिता नमी वृद्धाश्रम ठाणे के येऊर में २६/ जून / २०२२ को वृद्धाश्रम का भूमि पूजन समारोह किया।

मुख्य अतिथि बाबू चौधरी व् सायली दळवी की उपस्थिति में बाबू चौधरी द्वारा कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रमिला दगदू महाडीक ने की। कार्यक्रम में कई वरिष्ठ अधिकारी गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

संतोष तांबे, नारायण सालेकर, सुधीर खानोलकर, विलास साटम, राकेश महाडिक , रंजीत सालुंके, इवान डिसूजा, वसंत राणे, सागर सावंत, जनार्दन पारधी, शशांक बंखिले, पूर्णानंद भावसार, दरवेश महाडिक , इस्माइल शेख, कदेश्वरी महिला विकास ट्रस्ट की कई महिला कारकर्ता मौजूद थी

आगरा निवासी दृष्टिहीन हिमानी बुंदेला बनी पहली करोड़पति

नई दिल्ली : सोनी टेलीविजन के रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति १३' का आगाज चुका है। इस शो को बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन होस्ट कर रहे हैं और शो को खूब पसंद भी किया

जा रहा है। शो के फैंस इस शो का काफी समय से इंतजार कर रहे थे और अब उनका इंतजार खत्म हो चुका है। वैसे शो का आगाज होते ही इस सीजन की पहली करोड़पति भी मिल गई है। जी हाँ, प्राप्त जानकारी के तहत दृष्टिहीन हिमानी बुंदेला १ करोड़ रुपये के सवाल का सही जवाब देकर करोड़पति बन चुकी हैं। बीते २३ अगस्त को 'कौन बनेगा करोड़पति' का प्रीमियर हुआ और अब हिमानी बुंदेला का एपिसोड ३०–३१ अगस्त को प्रसारित किया जाएगा।

आपको बता दें कि सोनी टीवी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शो का प्रोमो वीडियो शेयर किया है जो आप देख सकते हैं। इस सामने आए प्रोमो में साफ़ देखा जा सकता है कि आगरा की रहने वाली और पेशे से टीचर हिमानी बुंदेला ने सवाल का सही जवाब देकर १ करोड़ रुपये जीत लिए हैं। वहीं इस दौरान अमिताभ बच्चन बेहद खुशी से इस जीत का ऐलान करते हैं। इस प्रोमो में आगे दिखाया गया है कि हिमानी बुंदेला १ करोड़ रुपये जीतने के बाद ७ करोड़ रुपये के सवाल के लिए खेलती हैं। इस पर वह अमिताभ बच्चन से कहती हैं, जय माता दी, लॉक कर दीजिए सर, अगर नीचे गिर तो कोई बात नहीं, भगवान की मर्जी है।

आगे यह नहीं दिखाया गया कि हिमानी बुंदेला ने ७ करोड़ रुपये जीते या नहीं। वैसे सोनी टीवी ने शो के बेहतरीन प्रोमो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, खुशमिजाज स्वभाव से अपनी जिंदगी जीने वाली एक दृष्टिहीन कंटेस्टेंट हिमानी बुंदेला केबीसी १३ की पहली करोड़पति बन गई हैं, लेकिन क्या वे दे पाएंगी ७ करोड़ के सवाल का सही जवाब? इस समय सोशल मीडिया पर यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है और लोग जमकर इस वीडियो पर कमेंट कर रहे हैं। आप सभी देख सकते हैं इस वीडियो में अमिताभ बच्चन कहते हैं, केबीसी के इतिहास में बहुत से ऐसे अवसर आएं, जब हमारे खिलाड़ियों ने इस खेल के इस मंच के अस्तित्व को सार्थक कर दिया, हिमानी बुंदेला के रूप में।

आगरा में मिलावटी शराब के सेवन से मौत के मामले में सीएम योगी आदित्यनाथ का निचले स्तर पर एक्शन का निर्देश

लखनऊ,। ताजनगरी आगरा में मिलावटी शराब के सेवन से दस लोगों की मौत के मामले में सीएम योगी आदित्यनाथ बेहद नाराज हैं। उनका निर्देश है कि इस गंभीर प्रकरण में अफसरों के साथ ही निचले स्तर पर लापरवाह के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई हो।

आगरा में मिलावटी शराब के सेवन से दस लोगों की मौत के साथ ही आधा दर्जन के गंभीर होने पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आगरा में मिलावटी शराब से मौत की यह घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इस प्रकरण में अफसरों के साथ ही नीचे के कर्मियों की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सभी जगह पर अवैध शराब के ठिकानों पर छापा मारा जाए। इसको लेकर सभी अधिकारी तथा कर्मी गंभीर हो जाएं।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आगरा की घटना में संबंधित स्थानीय अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। प्रदेश में अब से अवैध शराब की निर्माण, क्रय, विक्रय की एक भी घटना घटित न हो, इसके लिए ठोस कार्रवाई करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अवैध शराब के ठिकानों पर छापामार कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही प्रदेश में अवैध शराब के खिलाफ प्रदेशव्यापी अभियान तेज किया जाए। इतना ही नहीं हर दोषी के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जाए।

आगरा में मिलावटी शराब के सेवन से दस लोगों की मौत के मामले में आगरा के कमिश्नर अमित गुप्ता ने बताया कि आगरा में संदिग्ध नकली शराब के सेवन से दस लोगों की मौत हो गई। चार लोगों की एफएसएल रिपोर्ट में उनके शरीर में मिथाइल अल्कोहल की मौजूदगी बताई गई है। इसके साथ ही दो और लोगों के सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं।

लंबे अरसे के बाद खुले मंदिरों के द्वार, पहले दिन बारिश के कारण भक्तों की संख्या रही सीमित

पटना बिहार में अनलॉक–६ की घोषणा के साथ ही मंदिरों के कपाट भी खोल दिये गए हैं। गुरुवार को अनलॉक शुरू होते ही मंदिरों के दरवाजे भक्तों के लिए खुल तो गए लेकिन भीड़ कम दिखाई दी। पटना में बारिश के बीच महावीर मंदिर में भक्त पहुंचे। पटना स्टेशन के पास स्थित हनुमान मंदिर के गेट खुलते ही भक्त भगवान के दर्शन करने पहुंचे।लंबे अंतराल के बाद श्रद्धालुओं ने भगवान हनुमान के मंदिर में जाकर पूजा–अर्चना की। फूल–माला और प्रसाद चढ़ाया। इसी तरह अगमकुआं स्थित शीतला मंदिर के गेट भी आज से श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। हालांकि, बारिश की वजह से यहां श्रद्धालुओं की संख्या कम दिखी। बांस घाट और दरभंगा हाउस स्थित काली मंदिर, गुलजारबाग में बड़ी पटन देवी और पटना सिटी में छोटी पटन देवी मंदिर भी आम लोगों के लिए खोल दिए गए।

हड़पसर–नांदेड एक्सप्रेस ५ जुलाई से पुणे स्टेशन से प्रतिदिन चलेगी

पुणे, रेल प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा के लिए गाड़ी संख्या १२७२९/१२७३० हड़पसर –नांदेड–हड़पसर द्वि साप्ताहिक एक्सप्रेस की सेवाएं दिनांक ५ जुलाई से प्रतिदिन नए नंबर १७६३०/१७६२९ के साथ हड़पसर के स्थान पर पुणे स्टेशन से नए समय पर उसकी नियमित सेवाएं चलाने का निर्णय लिया है।

गाड़ी संख्या १७६३० नांदेड–पुणे एक्सप्रेस नांदेड से ५ जुलाई से प्रतिदिन १५.१५ बजे रवाना होकर अगले दिन ५.३० बजे पुणे पहुंचेगी। जबकि गाड़ी संख्या १७६२९ पुणे–नांदेड एक्सप्रेस पुणे से ५ जुलाई से प्रतिदिन २१.३५ बजे रवाना होकर अगले दिन १०.२० बजे नांदेड पहुंचेगी। यह गाड़ी रास्ते में दौंड कार्ड लाइन, अहमदनगर, बेलापुर, कोपरगांव, मनमाड, औरंगाबाद, जालना, परतूर, सेलू, परभणी तथा पूर्णा स्टेशन पर रुकेगी।

इस गाड़ी में एक एसी फर्स्ट, एक सेकंड एसी, ४ एसी थ्री, ५ स्लीपर तथा दो सामान्य श्रेणी कोच होंगे।

उपरोक्त गाड़ी के हाल्ट के विस्तृत समय के लिए, कृपया .... देखें या ऐप डाउनलोड करें। यात्रियों से अनुरोध है कि इस सुविधा का लाभ उठाएँ।

यह जानकारी पुणे रेल मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री मनोज झंवर द्वारा दी गई है।

पुलिस अधिकारियों का सत्ताधारी पार्टी की ओर झुकाव परेशान करने वाला चलन, सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली : पुलिस अधिकारियों का सत्ताधारी पार्टी की ओर झुकाव परेशान करने वाला चलन, सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी सत्ता बदलने के बाद राजद्रोह जैसे मामले दर्ज करने को सुप्रीम कोर्ट ने परेशान करने वाला चलन बताया है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ पुलिस को निलंबित आईपीएस अधिकारी को गिरफ्तार करने से भी रोक दिया। आईपीएस अधिकारी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामलों में छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से राजद्रोह सहित दो आपराधिक मामले दर्ज हैं। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया एनवी रमना की अध्यक्षता वाली पीठ ने छत्तीसगढ़ पुलिस को निर्देश दिया कि वे अपने ही निलंबित आईपीएस अधिकारी गुरजिंदर पाल सिंह को गिरफ्तार न करे। हालांकि, शीर्ष न्यायालय ने सिंह को भी यह निर्देश दिया है कि वह जांच में सहयोग

करें।

सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा, देश में यह चलन काफी परेशान करने वाला है और पुलिस विभाग भी इसके लिए जिम्मेदार है। जब एक राजनीतिक पार्टी सत्ता में आती है तो पुलिस अधिकारी भी उस सत्ताधारी पार्टी का पक्ष लेने लगते हैं। इसके बाद जब दूसरी पार्टी सत्ता में आती है तो सरकार पुलिस अधिकारियों के खिलाफ एक्शन लेने लगती है। इसे बंद करने की जरूरत है।

पीठ के सदस्य जस्टिस सूर्यकांत ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि वह अगले चार हफ्तों में मामले को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दे।

वरिष्ठ वकील एफएस नरीमन और विकास सिंह निलंबित आईपीएस अधिकारी की ओर से कोर्ट में दलील दे रहे थे जबकि सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी और राकेश द्विवेदी छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से। सिंह के खिलाफ कांग्रेस नीत छत्तीसगढ़ सरकार ने राजद्रोह सहित दो केस दर्ज किए थे।

नागर विमानन मंत्रालय ने उदार बनाई हुई ड्रोन नियमावली, २०२१ को अधिसूचित किया

नागर– विमानन मंत्रालय ने मार्च, २०२१ में यूएएस नियमावली, २०२१ प्रकाशित की थी जिसे शिक्षाविदों, स्टार्टअप्स, एंड–यूजर्स और अन्य हितधारकों ने स्वाभाविक रूप से प्रतिबंधात्मक माना था, क्योंकि इनमें अधिक कागजी कार्रवाई की जरूरत थी और ड्रोन की प्रत्येक उड़ान के लिए कई अनुमति लेने की जरूरत के साथ–साथ बहुत कम 'फ्री टू फ्लाई' ग्रीन जोन उपलब्ध थे। इनके बारे में प्राप्त हुए फीडबैक के आधार पर सरकार ने यूएएस नियमावली, को रद्द करने और उसकी जगह उदार बनाई गई ड्रोन नियमावली, लागू करने का निर्णय लिया है।

मानव रहित विमान प्रणाली को आमतौर पर ड्रोन के रूप में जाना जाता है। यह प्रणाली अर्थव्यवस्था के लगभग सभी क्षेत्रों जैसे कृषि, खनन, बुनियादी ढांचा, निगरानी, आपातकालीन प्रतिक्रिया, परिवहन, भू–स्थानिक मानचित्रण, रक्षा और कानून लागू करने के बारे में अधिक लाभों का प्रस्ताव करती है। ड्रोन अपनी पहुंच, प्रतिभा, सरल उपयोग के कारण, विशेष रूप से भारत के दूर–दर्राज तथा दुर्गम क्षेत्रों में रोजगार और आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण योगदान प्रदान कर सकते हैं। नवाचार, सूचना प्रौद्योगिकी, मितव्ययी इंजीनियरिंग में अपनी परंपरागत मजबूती और व्यापक घरेलू मांग को देखते हुए भारत में वर्ष २०३० तक वैश्विक ड्रोन केन्द्र बनने की संभावना है।

भारत में महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए नीति आयोग ने सिस्को के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली : भारत सरकार की सार्वजनिक नीति के थिंक टैंक नीति आयोग ने अपनी साझा प्रतिबद्धता के आधार पर देशभर में महिला उद्यमियों को सशक्त बनाने के लिए सिस्को के साथ मिलकर आज महिला उद्यमिता मंच (डब्ल्यूईपी) के अगले चरण का शुभारंभ किया। ''डब्ल्यूईपी नेक्स्ट'' शीर्षक से नीति आयोग के प्रमुख मंच का यह अगला चरण देश भर में अधिक महिला–स्वामित्व वाले व्यवसायों को सक्षम करने के लिए भारत के स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के साथ काम करने के लिए सिस्को की तकनीक और अनुभव का लाभ उठाएगा। इस शुभारम्भ के अवसर पर श्री अमिताभ कांत (नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी), अन्ना रॉय (नीति आयोग की वरिष्ठ सलाहकार), मारिया मार्टिनेज, सिस्को की कार्यकारी उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ संचालन अधिकारी (ईवीपी और सीओओ, सिस्को), सिस्को इंडिया और सार्क (एसएएआरसी) की अध्यक्ष डेज़ी चित्तिलापिल्ली और हरीश कृष्णन, (प्रबंध निदेशक, सार्वजनिक मामले और रणनीतिक जुड़ाव, सिस्को इंडिया और सार्क) उपस्थित थे। नीति आयोग ने महिला उद्यमिता मंच (डब्ल्यूईपी) को २०१७ में शुरू किया गया था। यह अपनी तरह का पहला, एकीकृत पोर्टल है जो विविध पृष्ठभूमि की महिलाओं को एक साथ लाता है और उन्हें संसाधनों, समर्थन और सीखने के विविध आयामों तक पहुंच प्रदान करता है। डब्ल्यूईपी नेक्स्ट इन प्रयासों को बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। भारतीय महिला उद्यमियों के एक केंद्रित अध्ययन और छह प्रमुख कार्यक्षेत्रों में उनकी सबसे जरूरी जरूरतों के आधार पर – समुदाय और नेटवर्किंग, कौशल और सलाह, ऊष्मायन (इनक्यूबेशन) और गतिशीलता के कार्यक्रम के साथ ही वित्तीय सहायता, अनुपालन और विपणन में सहायता – के लिए डब्ल्यूईपी नेक्स्ट साक्ष्य–आधारित निर्णय लेने से प्रेरित होगा।

सिंगर शान के गाए हुए रोमांटिक म्युज़िक वीडियो ''प्यार में तेरे'' में रियल लाइफ जोड़ी जे.पी. सिंघानिया व गुड़िया की खूबसूरत केमिस्ट्री

प्रोड्यूसर रूपल मोहता व निर्देशक रूपेश राय सिकंद के वीडियो लांच पर चीफ गेस्ट मंदाकिनी, उपासना सिंह रहीं मौजूद

मुंबई /अकबर खान

मुंबई, बॉलीवुड में अब म्युज़िक वीडियो भी काफी रियलिस्टिक बनाए जा रहे हैं। इसी ट्रेंड को देखते हुए मशहूर सिंगर शान के गाए हुए रोमांटिक म्युज़िक वीडियो ''प्यार में तेरे'' में रियल लाइफ जोड़ी जे.पी. सिंघानिया और श्रीमती गुड़िया सिंघानिया दिखाई दे रही है। इस गाने को रूपल मोहता और रूपेश राय प्रोडक्शंस ने प्रोड्यूस किया है, रूपल खुद दिवा मिसेज इंडिया २०१८, मिसेज यूनिवर्स २०१९ हैं।

मुम्बई के रेड बल्ब स्टूडियो में रूपेश राय सिकंद द्वारा डायरेक्ट किया गया यह खूबसूरत सांग रिलीज किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि लिजेंड्री क्ट्रेस मंदाकिनी और अभिनेत्री उपासना सिंह भी मौजूद थीं। यहां सभी को गाने की मेकिंग और फुल सांग दिखाया गया जिसे आए सभी मेहमानों ने खूब पसन्द किया।

चीफ गेस्ट मंदाकिनी ने गाने की तारीफ करते हुए कहा कि एक्टिंग की कोई उम्र नहीं होती। जे.पी. सिंघानिया और गुड़िया सिंघानिया ने तारीफ के लायक काम किया है। इन लोगों ने बड़ा अच्छा काम किया है। जेपी सिंघानिया बहुत लक्की हैं कि इतने बड़े एक्सीडेंट के बाद भी वो ठीक हैं, उन्हें भगवान का शुक्र अदा करना चाहिए। इस एल्बम का बहुत अच्छा म्युज़िक है और कमाल का डायरेक्शन है। पहले के जमाने के गीत भी अच्छे होते थे और आज के गाने भी अच्छे हैं। मुझे तो यह म्युज़िक वीडियो बेहतर लगा।

वहीं क्ट्रेस उपासना सिंह ने बताया कि पुराने गाने आज भी दिल को छूते हैं। आज के कई गानों का कोई सेंस नहीं होता, मगर प्यार में तेरे एक खूबसूरत सांग है।मशरूम के बिज़नस में रहकर जेपी सिंघानिया और गुड़िया ने जो वीडियो में एक्सप्रेशन दिया है, इतनी तेज गर्मी में शूट किया है, वो कमाल है। जेपी सिंघानिया ने तो वीडियो में कई बार गुड़िया को गोद मे उठा भी लिया है।

इस अवसर पर गुड़िया सिंघानिया ने कहा कि इस वीडियो को करना हम दोनों के लिए एक अलग अनुभव रहा लेकिन बहुत ही अच्छा लगा।

वहीं जेपी सिंघानिया ने कहा कि हमने इस गाने के जरिये एक ट्रेंड सेट करने की कोशिश की है। हम दोनों ने पहले अरेंज मैरिज की, फिर प्यार हुआ, और अब रियल लाइफ जोड़ी रील जोड़ी बनकर आई है। हम दोनों की शादी की कल एनिवर्सरी है इस मौके पर मैं अपनी पत्नी को इस वीडियो के द्वारा एक सरप्राइज गिफ्ट देना चाहता था इसलिए हमने इसे प्लान किया।

संगीतकार शुजात खान ने डायरेक्टर रूपेश जी का शुक्रिया अदा किया और कहा कि सिंगर शान ने इस गाने को बड़ी शिद्दत से गाया है। शान भाई खुद इस गाने के लॉन्च पर आने वाले थे पर वह अमेरिका में हैं।

डायरेक्टर रूपेश राय सिकंद ने कहा कि इसमे मुम्बई के पास की लोकेशन है, गाने में कई कॉस्ट्यूम्स हैं। जेपी सिंघानिया और गुड़िया सिंघानिया ने इसमे बेस्ट परफॉर्मेंस दी है और हमने एक बेहतर सांग बनाया है।

आपको बता दें कि मशरूम के कारोबार से जुड़ी यह जोड़ी रांची की दंपत्ति है। इस रोमांटिक म्युज़िक वीडियो प्यार में तेरे को प्रसिद्ध गायक शान द्वारा आवाज दी गई है।

पुरस्कार विजेता फिल्म मेकर रूपेश राय सिकंद ने गाने का निर्देशन किया है। वह इन दिनों कश्मीर पर आधारित एक फिल्म पर काम कर रहे हैं। उन्होंने अनगिनत म्युज़िक वीडियो, टीवी विज्ञापनों और बहुत सारी पुरस्कार विजेता शार्ट फिल्मों का निर्देशन किया है। वह शार्ट फिल्म अनफिट के लिए यूएसए में व्यूवर्स च्वाइस अवार्ड प्राप्त करने वाले पहले भारतीय निर्देशक भी हैं।

इस गाने को शुजात अली खान व नज़ाकत शुजात ने खूबसूरती से कंपोज किया है। गाने के बोल अंजान सागरी ने लिखे हैं।

यहां मंदाकिनी जी, उपासना सिंह, मिथिलेश चतुर्वेदी और सुनील पथारे मैक्सवेल समूह के मालिक ने इस प्रोग्राम में अपनी उपस्थिति से शोभा बढ़ाई।

अजीब वर्कआउट करते नजर आई बॉलीवुड एक्ट्रेस

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला ( ) वर्क फ्रंट पर जितना एक्टिव रहती हैं उतना ही वह अपनी सेहत का भी ख्याल रखती हैं. उर्वशी रौतेला ( ) जिम में अच्छा खासा वक्त बिताती हैं और आए दिन फैंस के लिए अपने वर्कआउट वीडियो भी शेयर करती रहती हैं. बीते कुछ दिनों से उर्वशी ( ) ने अपने कई ऐसे वीडियो भी शेयर किए हैं जिनमें वह काफी अजीब और यूनिक किस्म के वर्कआउट करती नजर आई हैं.

आज हम आपके साथ उर्वशी रौतेला ( ) के कुछ इसी तरह के वीडियो साझा करने जा रहे हैं. ग्रेट ग्रांड मस्ती ( ), सनम रे ( ), हेट स्टोरी ४ (४), पागलपंती () और भाग जॉनी ( ) जैसी फिल्मों का हिस्सा रहीं उर्वशी गजब की खूबसूरती की मालकिन हैं और जिम में अच्छा खासा वक्त बिताती हैं.

हाल ही में उनका जो वीडियो सामने आया है इसमें उर्वशी रौतेला ( ) खूबसूरत गोल्डन स्पोर्ट्स ब्रा पहकर ५० किलो का वेट हाथों में उठाकर उसे नाव का चप्पू चलाने के अंदाज में रोटेट कर रही हैं. इतना ही नहीं उन्होंने इस वर्कआउट को करने के दौरान अपना एक पैर बोसु बॉल पर बैलेंस किया हुआ है. एक्ट्रेस ने इस वर्कआउट को काफी सहजता के साथ किया है और फैंस उनकी तारीफें कर रहे हैं. उर्वशी ( ) के ये वर्कआउट वीडियो देखने में कनफ्यूजिंग लग सकते हैं लेकिन बता दें कि इन्हें करने में काफी एनर्जी की जरूरत होती है.

एक्ट्रेस ने इस वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, ५० वजन को बोसु बॉल पर बैलेंस करना. एक्ट्रेस ने लिखा कि देखने में आसान लग सकता है लेकिन ये आसान नहीं है. इस तरह के तमाम वीडियो हाल ही में उर्वशी रौतेला ( ) अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर कर चुकी हैं जिनमें वह काफी मुश्किल वर्कआउट करती नजर आई थीं. हाल ही में वह हाथों का सपोर्ट लेकर ट्रेड मिल पर अजीब वर्कआउट करती दिखी थीं. इसी तरह के अन्य वीडियो भी उर्वशी बीते दिनों शेयर कर चुकी हैं.

शाहरुख खान ने फराह खान संग लगाए ठुमके, खुल्लम खुल्ला किया

सुपरस्टार शाहरुख खान ( ) और फिल्म निर्माता–कोरियोग्राफर फराह खान ( ) ने अपनी फिल्म मैं हूं ना ( ) के टाइटल ट्रैक पर प्रस्तुति देकर अपने प्रशंसकों का एक बार फिर दिल जीत लिया. फराह ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें दोनों ट्रैक पर झूमते नजर आ रहे हैं.

शाहरुख के लिए फराह का क्लिप के अंत में, फिल्म निर्माता फराह खान ( ) अपने करीबी दोस्त शाहरुख खान ( ) के गाल पर किस देते हुए दिखाई दे रही हैं. वीडियो के साथ, फराह ने लिखा, मेरे सबसे पसंदीदा वन एंड ओनली एसआरके साथ. हैशटैग मैं हूं ना, हैशटैग फरहा के फनडे. देखिए ये ...

वीडियो को अब तक १ लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है. अभिनेता रणवीर सिंह ने वीडियो पर कई दिल वाले इमोजी शेयर किए हैं. उन्होंने लिखा, ओहहह हर्ट मेल्ट, अभिनेता रितेश देशमुख ने लिखा, ऑल टाइम फेवरेट.

इतनी फिल्में बनाई एक साथ

मैं हूं ना से २००४ में फराह ने निर्देशन की शुरुआत की थी. इसमें जायद खान, सुष्मिता सेन, अमृता राव और सुनील शेट्टी भी थे. मैं हूं ना के बाद, शाहरुख और फराह ने ओम शांति ओम और हैप्पी न्यू ईयर जैसी फिल्मों में साथ काम किया.

अमिताभ बच्चन के बॉडीगार्ड पर लिया गया ये एक्शन

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन की सुरक्षा व्यवस्था संभालने वाले जीतेंद्र शिंदे के ट्रांसफर की खबर सामने आई है. जी न्यूज की सहयोगी वेबसाइट ने इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट के हवाले से बताया है कि अमिताभ बच्चन के पुलिस बॉडीगार्ड द्वारा सालाना १.५ करोड़ रुपये कमाने की खबरों के बाद उनका तबादला कर दिया गया है.

रिपोर्ट के मुताबिक जीतेंद्र शिंदे के खिलाफ डिपार्टमेंटल इनक्वायरी भी शुरू कर दी गई है.

सुष्मिता सेन की जिंदगी में सब कुछ ठीक नहीं

सुष्मिता सेन ( ) अक्सर अपने बॉयफ्रेंड को लेकर चर्चा में रहती हैं. वो आए दिन बॉयफ्रेंड रोहमन शॉल के साथ फोटोज भी शेयर करती रहती हैं. लेकिन इस बार उन्होंने फैंस के साथ एक ऐसा पोस्ट शेयर किया है, जिसे देख उनके फैंस थोड़ा परेशान हो गए हैं.

पूर्व मिस यूनिवर्स और बॉलीवुड की बेहद खूबसूरत एक्ट्रेस सुष्मिता सेन ( ) अपनी खूबसूरती और ग्लैमरस अंदाज से करोड़ों लोगों के दिलों पर राज करती हैं. उनके हर एक अंदाज के लोग दीवाने हैं. सोशल मीडिया पर सुष्मिता सेन काफी ज्यादा एक्टिव नजर आती हैं. सुष्मिता अक्सर फैंस के लिए अपनी बेहद खूबसूरत तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं. सुष्मिता ( ) भले ही ४५ साल की हो गई हों लेकिन उनके लिए ऐज बस एक नंबर है. हर दिन के साथ सुष्मिता की खूबसूरती लगातार बढ़ती ही जा रही है. फैंस तो सुष्मिता के हर लुक पर फिदा हैं. उनका ट्रेडिशनल लुक जितना पसंद किया जाता है उतना ही उनका हॉट और ग्लैमरस लुक लोगों को भाता है. सुष्मिता की खूबसूरती के साथ–साथ उनकी बेबाकी भी फैंस को बहुत पसंद है. हाल ही में सुष्मिता सेन ने अपनी दो तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए जिंदगी के अलग दृष्टिकोण के बारे में फैंस से बात की है.

बॉयफ्रेंड संग शादी करने जा रही हैं करोड़ों की चहेती श्रद्धा कपूर?

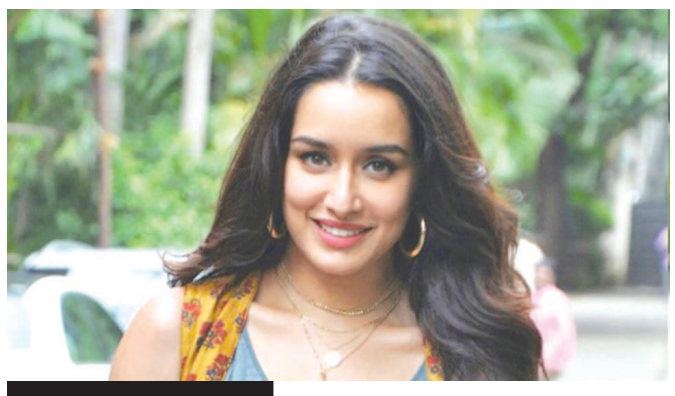

कपूर (पिछले काफी वक्त से आ रही हैं. ( ) हालांकि दोनों ने कभी भी अपने खबरें रिश्ते पर मोहर नहीं लगाई है लेकिन इसी बीच दोनों की शादी को लेकर रूमर्स आने शुरू हो गए हैं. श्रद्धा कपूर ( ) को कई बार रोहन के साथ स्पॉट किया जा चुका है लेकिन जी न्यूज की सहयोगी वेबसाइट इंडिया डॉट कॉम में छपी खबर के मुताबिक दोनों जल्द ही सात फेरे ले सकते हैं.मालदीव में श्रद्धा कपूर ( ) के चचेरे भाई प्रियांक शर्मा ( ) की शादी के दौरान इस सेलेब्रिटी कपल को एक दूसरे के साथ क्वालिटी टाइम बिताते देखा गया था. दोनों के काफी करीब होने की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर आई थीं जिन्हें जमकर शेयर किया गया. इंडिया डॉट कॉम ने पद्मिनी कोल्हापुरे और उनके अभिनेता–बेटे प्रियांक शर्मा से श्रद्धा कपूर की शादी की खबरों के बारे में पूछा.

इस सवाल पर प्रियांक ( ) ने हंसते हुए कहा, मैं नो कमेंट कहने जा रहा हूं, मैं क्या बोलूं यार. लेकिन हां, अगर आप भविष्य से उम्मीद लगाए हुए हैं, तो जाहिर है, शादियों का इंतजार करना अच्छा होता है. यही सवाल जब पद्मिनी कोल्हापुरे से पूछा गया तो उन्होंने चौंकाने वाली प्रतिक्रिया दी और बताया, शादी, वाह! यह एक अजीब सवाल है. अगर वैसा होगा तो खबर मिल जाएगी.

प्रियंका चोपड़ा की इन तस्वीरों ने फैंस को दिया ४४० वोल्ट का झटका

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ( ) सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और आए दिन अपने वर्क फ्रंट की झलकियां फैंस के साथ साझा करती रहती हैं. हालांकि प्रियंका चोपड़ा ( ) ने हाल ही में अपनी जो तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं उन्होंने फैंस को खुश करने की बजाए बहुत ज्यादा परेशान कर दिया. इन तस्वीरों में प्रियंका ( ) के चेहरे से खून बहता साफ नजर आ रहा है.

प्रियंका चोपड़ा ( ) ने इन तस्वीरों को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर स्टोरी सेक्शन में शेयर किया है. तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि प्रियंका ( ) के चेहरे पर बहुत सारी मिट्टी लगी हुई है और दूसरी तस्वीर में उनके माथे से खून बहता दिख रहा है. उनके चेहरे पर छोटा सा कट भी साफ देखा जा सकता है. इसी तरह की एक फोटो प्रियंका चोपड़ा ( ) ने अपनी पोस्ट में भी शेयर की है.प्रियंका चोपड़ा ( ) इन दिनों लंदन में अपनी आने वाली फिल्म सिटाडेल की शूटिंग कर रही हैं और सोशल मीडिया पर उनके द्वारा शेयर की गई ये तस्वीरें उनकी आने वाली फिल्म की शूटिंग के दौरान की ही हैं.

गलेगी डील का सच, घर पर जमाएगी अपना कब्जा

ब गरमा–गरमी देखने को मिल रही है. अनुपमा का पूरा परिवार इस वक्त मुसीबतों से घिरा हुआ है और उन्हें बचाने के लिए अनुपमा ने लोन भी लिया लेकिन वो फ्रॉड का शिकार हो गई. रोते–बिलखते हुए अनुपमा ने राखी दवे से मदद मांगी और इस मदद के बदले राखी ने अनुपमा से क्या डील की है इसका खुलासा आज होगा.अनुपमा () में दिखाया गया है कि कैसे फ्रॉड का शिकार होने के बाद अनुपमा और उसका परिवार टूट जाता है. बा को अटैक तक आ जाता है. अनुपमा से यह सब नहीं देखा जाता, लिहाजा वो राखी दवे के पास जाती है और मदद मांगती है. राखी भी अनुपमा के साथ डील करती है और आज वो डील का खुलासा करने वाली है.अनुपमा के अपकमिंग एपिसोड ( ) में दिखाएगा कि राखी दवे शाह परिवार के सामने ये राज भी खोल देगी. अनुपमा की कई मिन्नतों के बाद भी राखी दवे शांत नहीं रहेगी. वनराज के उकसाने पर राखी दवे उगल देगी कि अनुपमा ने अपने हिस्से का घर उसके पास गिरवी रखा है. ये सुनते ही वनराज और काव्या के पैरों तले जमीन खिसक जाती है.वनराज अनुपमा को खूब सुनाएगा. तभी बापूजी बीच में आकर बोलेंगे कि अनुपमा ने ये मारी बात बताई थी. आखिर में वनराज अनुपमा से सिर्फ इतना ही कहेगा कि उसने बड़ी अच्छी तरह से अपना बदला कहने की स्थिति में नहीं रहेगी. गुस्से में बौखलाया वनराज घर छोड़ने की बात करेगा और वनराज की बातों को सुनकर